राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 15 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-163 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

होर्मुज पर ट्रंप ने ठोका दावा बोले -हम वसूलेंगे 20 फीसद टैक्स

महंगाई की दोहरी मार- जून में 9.87 प्रतिशत पर पहुंची थोक महंगाई, 44 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान हुए महंगे

नई दिल्ली।

देश में आम जनता से लेकर नीति निर्माताओं के लिए महंगाई के मोर्चे पर एक बड़ी और चिंताजनक खबर आई है। जून के महीने में भारत की थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मई में यह आंकड़ा 9.68 प्रतिशत पर था। सितंबर 2022 में ये 10.70 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने मंगलवार को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और खाद्य पदार्थों में आए भारी उछाल ने इस बढ़ोतरी को हवा दी है। खास बात यह है कि यह आंकड़े संशोधित आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित हैं। इस उछाल ने न केवल विनिर्माण क्षेत्र की लागत बढ़ा दी है, बल्कि आगामी दिनों में खुदरा बाजार में भी कीमतों के बढने का गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। महंगाई बढने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले सोमवार रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। रिटेल महंगाई भी लगातार छठे महीने बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 4.99 प्रतिशत से बढ़कर 7.00 प्रतिशत हो गई है। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.49 प्रतिशत से बढ़कर 6.14 प्रतिशत पर पहुंच गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 30.33 प्रतिशत से घटकर 27.41 प्रतिशत हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई में कोई बदलाव नहीं है। यह 7.48 प्रतिशत रही। अल नीनो के कारण कृषि क्षेत्र पर पड़े दबाव और भू-राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने महंगाई की नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब सभी की नजरें जुलाई के मानसून और वैश्विक कमोडिटी बाजार के रुख पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि महंगाई की यह तपिश कब शांत होगी। थोक महंगाई में तेज उछाल की मुख्य वजह इस बार थोक महंगाई को बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ खाद्य उत्पादों और गैर-खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों का रहा है। बारिश की कमी और अल नीनो के प्रभाव के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे जून में खाद्य महंगाई दर तेजी से बढ़कर 5.49 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में महज 3.60 प्रतिशत थी। इसके साथ ही, गैर-खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर भी उच्च स्तर पर यानी 11.07 प्रतिशत दर्ज की गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, जून 2026 में थोक महंगाई को बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं-मिनरल ऑयल्स (पेट्रोलियम उत्पाद), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं का निर्माण, रसायन और रासायनिक उत्पादों का निर्माण आदि। भविष्य को लेकर नीतिगत बदलाव जरूरी भविष्य के परिदृश्य को लेकर अर्थशास्त्रियों में चिंता और उम्मीद दोनों बनी हुई हैं।

इंडिया पोस्ट डाक सेवा, जन सेवा के मूल मंत्र के साथ आगे भी कीर्तिमान बनाता रहेगा- ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली।

भारत पोस्ट (इंडिया पोस्ट) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार 4,000 करोड़ रुपए के कारोबार का आंकड़ा पार कर लिया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने विज्ञान भवन में आयोजित तिमाही बिजनेस रिव्यू बैठक में यह जानकारी साझा की। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि इंडिया पोस्ट ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 4,008.95 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 22.2 प्रतिशत अधिक है। यह पहली बार है जब इंडिया पोस्ट ने किसी पहली तिमाही में 4,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इंडिया पोस्ट के आधुनिकीकरण और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विभाग डाक सेवा, जन सेवा के मूल मंत्र के साथ आगे भी नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञान भवन में आयोजित बिजनेस रिव्यू बैठक में देशभर के इंडिया पोस्ट के 23 सर्किलों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। बैठक में पहली तिमाही के प्रदर्शन का आकलन करने के साथ-साथ वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रणनीतिक रोडमैप पर भी चर्चा हुई। संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने भी इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही में विभाग का राजस्व लगभग 3,280 करोड़ रुपए था, जो इस वर्ष बढ़कर 4,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। यह करीब 22 प्रतिशत की सालाना वृद्धि को दर्शाता है और विभाग के 30 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। बैठक के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले सर्किलों और इकाइयों की सराहना की गई। आंध्र प्रदेश पोस्टल सर्किल ने अपनी तिमाही कारोबारी लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक हासिल किया। बिहार और तमिलनाडु सर्किलों ने पार्सल व्यवसाय में निर्धारित लक्ष्य से अधिक प्रदर्शन किया। मेल ऑपरेशंस में आंध्र प्रदेश ने 100 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल किया। नागरिक-केंद्रित सेवाओं में पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश सर्किलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहा गया।

होर्मुज पर ट्रंप ने ठोका दावा बोले - हम वसूलेंगे 20 फीसद टैक्स

वॉशिंगटन ।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने ऐलान किया है कि अमेरिका विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, हॉर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण ले लेगा और वहां से गुजरने वाले सभी कार्गो पर 20 प्रतिशत की दर से शुल्क वसूलेगा। यह शुल्क सुरक्षा प्रदान करने के एवज में लिया जाएगा। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा, हम स्ट्रेट को अपने कब्जे में रखेंगे, शायद इसे खुद चलाएंगे भी। हम इसके रखवाले बनेंगे, और हमें इसके लिए पूरा रीइंबर्समेंट मिलना चाहिए। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर भी इस फैसले की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, हॉर्मुज स्ट्रेट खुला है और ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा। हम ईरानी नाकाबंदी को तोड़ रहे हैं और अमेरिकी नाकेबंदी फिर से लागू कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस अस्थिर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने का खर्च वसूलने के लिए यहां से गुजरने वाले सभी कार्गो से 20 प्रतिशत की दर से शुल्क लिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा, अन्य देश बहुत अमीर हैं। वे हमारे साथ हैं। हमें मुफ्त में यह सेवा नहीं देनी चाहिए। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब खाड़ी क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से ईरान और अमेरिका के बीच भारी गोलीबारी हो रही है, जिससे तनाव चरम पर है। शनिवार को ईरान ने हॉर्मुज को फिर से बंद करने की घोषणा की थी और दावा किया था कि बिना अनुमति के कोई भी जहाज वहां से गुजर नहीं सकता। ईरान ने कहा- होर्मुज बंद है, परमिट जारी करेंगे रविवार को तेहरान ने दोहराया कि रास्ता अभी भी बंद है और स्थिरता व शांति बहाल होने के बाद ही परमिट जारी

किए जाएंगे। ट्रंप ने ईरान पर डील तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा, हमारे साथ एक डील हुई थी, जो पक्की डील थी, लेकिन उन्होंने उसे तोड़ दिया। वे हमेशा ऐसा करते हैं। इन लोगों के साथ हमारी 10 डील्स हो चुकी हैं, इसलिए अब हम उन पर तगड़ा हमला करने वाले हैं। दूसरी ओर, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने सोमवार को बयान जारी कर चेतावनी दी कि होर्मुज में सामान्य शिपिंग ट्रैफिक फिर से शुरू करने का एकमात्र तरीका अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप को पूरी तरह समाप्त करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने थोक में रद्द कर दिए हाईकोर्ट के 28 फैसले

कोर्ट ने कहा-किसी को ऐसे नहीं घोषित कर सकते विदेशी

नई दिल्ली।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के 28 फैसलों को एक साथ रद्द करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। इन फैसलों में विदेशी न्यायाधिकरणों (फॉरेन ट्रिब्यूनल) द्वारा 27 व्यक्तियों को विदेशी साबित करने के आदेशों को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने की स्थिति का निर्धारण एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए जो संवैधानिक नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार निष्पक्ष, वैध और तर्कसंगत हो। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को सुनाए गए अपने फैसले में इन सभी मामलों को नए सिरे से कानूनी रूप से निर्धारित करने के लिए संबंधित विदेशी न्यायाधिकरणों को वापस भेज दिया। न्यायालय ने कहा, इसलिए, इन सभी मामलों में हाई कोर्ट द्वारा दिए गए विवादित फैसलों एवं आदेशों को रद्द किया जाता है। संबंधित विदेशी न्यायाधिकरण या पहले के अवैध प्रवासी (निर्धारण) न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए संबंधित विचारों एवं आदेशों को भी रद्द किया जाता है।

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक और कानूनी रूप से बहुत अहम है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने राज्य सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि यह राज्य की जायज़ एवं आवश्यक जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जो लोग कानूनी रूप से भारतीय नागरिकता का दावा करने के हकदार नहीं हैं, वे प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल करके, झूठे दावे करके या प्रक्रिया में होने

वाली देरी का फायदा उठाकर यह दर्जा हासिल न कर सकें। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि राज्य को यह पक्का करना चाहिए कि इस तरह की स्थिति का फैसला एक ऐसी प्रक्रिया से हो जो निष्पक्ष, कानूनी एवं तर्कसंगत हो। विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा नौ के तहत कानूनी जिम्मेदारी पूरी तरह से लागू है। अपीलकर्ताओं की मुख्य शिकायत यह थी कि उन्हें एकतरफा या लगभग एकतरफा कार्यवाही में विदेशी घोषित कर दिया गया, जबकि उन्हें अपने भारतीय नागरिक होने का सबूत देने का पर्याप्त और सार्थक मौका नहीं दिया गया। अदालत ने कहा कि एकतरफा कार्यवाही में भले ही अनुपस्थित पक्ष की भागीदारी न हो, लेकिन इससे न्यायाधिकरण द्वारा निष्पक्ष विचार और सार्थक निर्णय लेने की आवश्यकता खत्म नहीं हो जाती। न्यायाधिकरण को स्वतंत्र रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि सही प्रक्रिया का पालन किया गया है, राज्य द्वारा पेश किए गए सबूतों की जांच करनी होगी, और किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करने से पहले इसके कारण दर्ज करने होंगे।

ईपीएफओ में ऑडिटर सहित 74 पदों पर नौकरी का अवसर, 30 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, ईपीएफओ ने अपने विभिन्न कार्यालयों में डेपुटेशन के आधार पर अलग-अलग कुल 74 पदों पर योग्य उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आवेदन आमंत्रित किए हैं। ईपीएफओ की ओर से 74 पोस्ट के लिए जारी रिक्तियों में उप निदेशक (ऑडिट) के 7, सहायक निदेशक (ऑडिट) के 9, सहायक ऑडिट अधिकारी (एएओ) के 18 और ऑडिटर के 40 पद शामिल हैं। इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 16 जून से शुरू हो गई है और आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई तय की गई है। ऐसे में जो पात्र उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे ईपीएफओ के ऑफिशियल पोर्टल पर जाकर, संबंधित पोस्ट के लिए जारी अधिसूचना लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद नोटिफिकेशन में दिए गए गूगल फॉर्म लिंक पर क्लिक कर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले आवेदन करें। सफलतापूर्वक ऑनलाइन आवेदन करने के बाद कैंडिडेट्स को अधिसूचना में दिए गए एप्लीकेशन फॉर्म को डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट निकालना होगा।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली ।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है।सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है।

वैज्ञानिकों ने विकसित की 'स्मार्ट घाव ड्रेसिंग', रोकेगी संक्रमण को

नई दिल्ली ।

शोधकर्ताओं ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ऐसी 'स्मार्ट घाव ड्रेसिंग' विकसित की है, जो घाव में संक्रमण की आशंका को कम करने के साथ-साथ ड्रेसिंग बदलने के दौरान होने वाले दर्द और असुविधा को भी काफी हद तक घटाती है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) राउरकेला के शोधकर्ताओं का दावा है कि यह नई तकनीक घाव को तेजी से भरने में भी मदद करती है और विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है, जिन्हें लंबे समय तक नियमित रूप से ड्रेसिंग बदलने की आवश्यकता होती है। इस स्मार्ट ड्रेसिंग की सबसे बड़ी विशेषता इसमें प्रयुक्त नैनोफाइबर की विशेष परत है, जिसमें हल्दी से प्राप्त करक्यूमिन का उपयोग किया गया है। करक्यूमिन अपने प्राकृतिक जीवाणुरोधी और सूजनरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। यह नैनोफाइबर परत घाव और सामान्य कॉटन गॉज के बीच लगाई जाती है, जिससे ड्रेसिंग का घाव की सतह से सीधा संपर्क कम हो जाता है। इससे नई बन रही त्वचा और ऊतकों को नुकसान पहुंचने की संभावना घटती है तथा ड्रेसिंग हटाने के समय मरीज को कम दर्द महसूस होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार यह नैनोफाइबर धीरे-धीरे करक्यूमिन को घाव तक पहुंचाता है, जिससे लंबे समय तक नियंत्रित मात्रा में औषधीय प्रभाव बना रहता है।

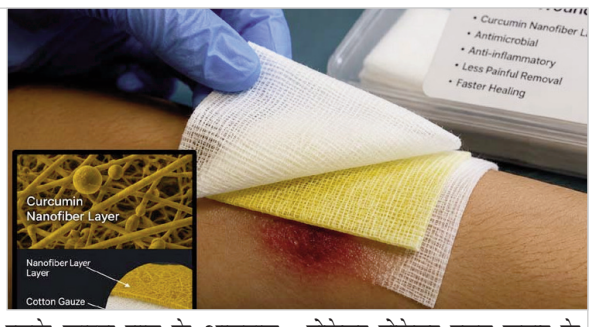

इसके कारण घाव के आसपास संक्रमण का खतरा कम होता है, उपचार प्रक्रिया तेज होती है और बार-बार अतिरिक्त दवाओं या ड्रेसिंग बदलने की जरूरत भी घट सकती है। यह तकनीक घाव के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में भी सहायक है। एनआईटी राउरकेला के जैव प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर प्रोफेसर प्रसून कुमार के नेतृत्व में विकसित इस तकनीक का उद्देश्य पारंपरिक कॉटन गॉज की सीमाओं को दूर करना है। सामान्य गॉज तरल पदार्थ को अच्छी तरह सोख लेता है, लेकिन अक्सर घाव से चिपक जाता है। इससे ड्रेसिंग बदलते समय नई बनी कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं और संक्रमण का जोखिम भी बढ़ जाता है।

ट्रंप का बड़ा दावा-मोजतबा 90 फीसदी खत्म अब कुछ नहीं बचा

वॉशिंगटन।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद विवादास्पद और बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। इस बयान के साथ ही ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर भी बड़ा हमला बोला, यह कहते हुए कि ईरान पहले ही अपनी नौसेना, वायुसेना, वायु रक्षा प्रणाली और अपने शीर्ष सैन्य कमांडरों को खो चुका है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के दौरान ईरान की सैन्य शक्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। यह दावा ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला तेज हो गया है, जिससे दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

मोजतबा खामेनेई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर कहा कि ईरान के बड़े-बड़े नेता जा चुके हैं, और अब उनके बेटे भी 90 फीसदी खत्म हैं। गौरतलब है कि अपने पिता की मृत्यु के बाद मोजतबा को ईरान का अगला सुप्रीम लीडर नामित किया गया था। हालांकि, पिछले काफी समय से वे सार्वजनिक जीवन से नदारद हैं, और यहाँ तक कि अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुए थे, जिससे उनकी नामौजूदगी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, मोजतबा खामेनेई को कथित तौर पर अमेरिकी हमले में गहरी चोटें लगी हैं और वे इससे उबरने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का यह बयान होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रहे संघर्ष के बीच आया है, जहां ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर और शिपिंग कंपनियों को डराकर अपने दबदबे को बनाए रखने का प्रयास किया है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने हाल ही में ईरान पर दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम, रडार केंद्र, मिसाइल और ड्रोन संबंधी उपकरण शामिल थे।

हालांकि, ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य उनका क्षेत्र है, जिस पर वे किसी बाहरी शक्ति को हस्तक्षेप नहीं करने देंगे। दोनों देशों के बीच एक 60 दिन के अंतरिम समझौते की आधी अवधि बीत

चुकी है, जिसका उद्देश्य युद्ध के स्थायी समाधान की दिशा में बातचीत शुरू करना था, लेकिन इसके बजाय होर्मुज में लगातार हमले हो रहे हैं, जिससे वैश्विक नेताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

- रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल

(विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) पर विशेष)

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निर्माताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

संपादकीय

विनाशकारी युद्ध

इसमें कोई संदेह नहीं कि जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को मनचाही शर्तों पर झुकाने के लिए प्रयत्नशील हैं, वैसे ही ईरानी नेतृत्व भी होर्मुज को लेकर मनमानी कर रहा है। आखिरकार जिसकी आशंका थी वही हुआ, अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव के चलते होर्मुज समुद्री मार्ग फिर बंद हो गया। अमेरिका-ईरान पिछले कुछ दिनों से जिस तरह एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले करने में लगे हुए हैं, उसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि इन दोनों देशों के बीच युद्धविराम को लेकर जो सहमति बनी थी, वह पूरी तरह छिन्न-भिन्न हो गई है। अमेरिका-ईरान के बीच सैन्य संघर्ष इसलिए तेज हुआ, क्योंकि ईरान ने साइप्रस के झंडे वाले जहाज पर हमला किया। उसने इसके पहले भी यह बहाना बनाकर तीन जहाजों पर हमले किए थे कि वे उसकी ओर से निर्धारित मार्ग से नहीं गुजर रहे थे। स्पष्ट है कि ईरान येन-केन-प्रकारेण होर्मुज पर अपना आधिपत्य जमाने के लिए प्रयत्नशील है। यह न तो अमेरिका को स्वीकार हो सकता है, न खाड़ी देशों को और न ही विश्व समुदाय को। होर्मुज एक स्वतंत्र समुद्री मार्ग है और उस पर किसी देश का एकाधिकार नहीं हो सकता-न तो ईरान का और न ही खाड़ी देशों का। ईरान अथवा अन्य किसी देश को यह भी अधिकार नहीं कि वह होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से किसी तरह का टैक्स वसूले। इसमें कोई संदेह नहीं कि जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को मनचाही शर्तों पर झुकाने के लिए प्रयत्नशील हैं, वैसे ही ईरानी नेतृत्व भी होर्मुज को लेकर मनमानी कर रहा है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि आने वाले दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष और तेज होगा। इसके चलते होर्मुज से जहाजों का आवागमन पूरी तौर पर ठप हो सकता है। इसका दुष्परिणाम तेल एवं गैस के दामों में वृद्धि के रूप में देखने को मिलेगा और उससे सभी देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, क्योंकि होर्मुज से विश्व के पांचवें हिस्से की ऊर्जा आपूर्ति होती है। ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम इसलिए नहीं टिक सका, क्योंकि एक तो दोनों देश एक-दूसरे के प्रति अविश्वास और घृणा से भरे हुए हैं और दूसरे इन देशों के बीच ऐसा कोई मध्यस्थ नहीं, जिसकी अपनी कोई विश्वसनीयता हो और जो दोनों देशों पर दबाव डाल सकें। एक समस्या यह भी है कि दोनों ही देश युद्धविराम को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं से बंधे रहने के लिए तैयार नहीं। ऐसा लगता है कि ईरान इसकी प्रतीक्षा कर रहा था कि उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार हो जाए तो वह नए सिरे से अपनी आक्रामकता दिखाए। जो भी हो, वर्तमान परिस्थितियों में विश्व समुदाय के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह आगे आकर अमेरिका और ईरान पर दबाव बनाए। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि ईरान-अमेरिका नए सिरे से किसी सहमति पर पहुंचने के लिए भरोसेमंद मध्यस्थों की तलाश करें।

युवाओं को रोजगारोन्मुखी दक्षताओं से सशक्त बनाने का समय

(लेखिका- श्वेता गोयल)

- एआई युग में सफलता की नई भाषा है कौशल

(विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) पर विशेष)

दुनिया आज चौथी औद्योगिक क्रांति के ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, बिग डेटा, ग्रीन टेक्नोलॉजी और डिजिटल अर्थव्यवस्था पारंपरिक रोजगार व्यवस्था को तेजी से बदल रही हैं। अब केवल शैक्षणिक डिग्री किसी युवा के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी नहीं रह गई है बल्कि सफलता का आधार वह कौशल बन गया है, जो बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढ़ालने की क्षमता प्रदान करता है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए तकनीकी दक्षता, डिजिटल साक्षरता, नवाचार, उद्यमिता, संचार, नेतृत्व, समस्या समाधान तथा सामाजिक-भावनात्मक कौशल पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। इसी सोच को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में इस दिवस की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया था कि यदि विश्व को सतत विकास, समावेशी आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करनी है तो युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा रोजगारोन्मुखी कौशल उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। तभी से यह दिवस सरकारों, उद्योगों, शिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण संगठनों और युवाओं के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। विश्व युवा कौशल दिवस 2026 का विषय है 'साझा भविष्य के लिए कौशल'। यह विषय केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि ऐसे संतुलित कौशल विकसित करने पर बल देता है, जिनसे युवा तकनीकी परिवर्तन, जलवायु संकट, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए एक समावेशी, टिकाऊ और शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण कर सकें। इस वर्ष विशेष रूप से तकनीकी, डिजिटल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित अर्थव्यवस्था, सामाजिक-भावनात्मक तथा नागरिक जिम्मेदारी से जुड़े कौशलों पर जोर दिया जा रहा है। आज विश्व में लगभग 1.2 अरब युवा हैं, जो मानव इतिहास की सबसे बड़ी युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसंख्या विश्व के लिए सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि इन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और सम्मानजनक रोजगार प्राप्त होता है तो यही युवा वैश्विक आर्थिक विकास के सबसे बड़े प्रेरक बन सकते हैं लेकिन यदि वे बेरोजगारी, अल्परोजगार और कौशल की कमी से जूझते रहे तो यह सामाजिक असंतोष, आर्थिक असमानता और विकास की गति में बाधा का कारण बन सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में करोड़ों युवा या तो बेरोजगार हैं अथवा ऐसे कार्यों में लगे हैं, जहां उन्हें पर्याप्त आय और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नहीं होती। बड़ी संख्या में युवा अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं जबकि शिक्षा पूरी करने के बाद स्थायी रोजगार प्राप्त करने में उन्हें औसतन एक वर्ष से अधिक समय लग जाता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि शिक्षा और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है। केवल डिग्री आधारित शिक्षा युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं दिला पा रही जबकि उद्योगों की मांग तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में अनेक पारंपरिक नौकरियां समाप्त होंगी और उनकी जगह नई प्रकार की नौकरियां जन्म लेंगी। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्टों के अनुसार एआई, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्किटिंग, हरित ऊर्जा, इलैक्ट्रिक मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर, ड्रोन तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर विकसित होंगे। ऐसे में युवाओं को केवल तकनीकी ज्ञान नहीं बल्कि आजीवन सीखते रहने की मानसिकता विकसित करनी होगी।वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य संस्कृति को सबसे तेजी से प्रभावित करने वाली तकनीक बन चुकी है। अनेक नियमित कार्य अब एआई आधारित प्रणालियां करने लगी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे बल्कि रोजगार का स्वरूप बदलेगा। भविष्य उन्हीं युवाओं का होगा, जो एआई का उपयोग करना, डेटा का विश्लेषण करना, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करना तथा नई तकनीकों के साथ स्वयं को लगातार अद्यतन रखना सीखेंगे। इसलिए एआई साक्षरता अब केवल इंजीनियरों की आवश्यकता नहीं बल्कि लगभग प्रत्येक पेशे की अनिवार्यता बनती जा रही है। इसी प्रकार जलवायु परिवर्तन ने भी रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, सतत कृषि तथा हरित निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि इस वर्ष के विषय में पर्यावरणीय और हरित कौशलों को भी विशेष महत्व दिया गया है। भविष्य की अर्थव्यवस्था केवल डिजिटल ही नहीं बल्कि ग्रीन भी होगी और युवाओं को दोनों क्षेत्रों में दक्ष बनना होगा। तकनीकी दक्षताओं के साथ-साथ सामाजिक-भावनात्मक कौशलों का महत्व भी तेजी से बढ़ा है। प्रभावी संवाद, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, समय प्रबंधन, तनाव से निपटने की क्षमता, नैतिक निर्णय, विविधता का सम्मान तथा नागरिक उत्तरदायित्व जैसे गुण किसी भी युवा को बेहतर पेशेवर और बेहतर नागरिक बनाते हैं। उद्योग जगत भी अब ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता देता है, जिनमें तकनीकी दक्षता के साथ व्यवहारिक क्षमता का संतुलन हो। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि देश विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। भारत की औसत आयु लगभग 29 वर्ष है और आने वाले वर्षों में करोड़ों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करेंगे। यदि उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तो भारत विश्व का सबसे बड़ा कुशल मानव संसाधन केंद्र बन सकता है। यही भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलने का मार्ग है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारंभ की, जिसके माध्यम से युवाओं को विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अल्पकालिक प्रशिक्षण, मूल्यांकन तथा प्रमाणन उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त स्किल इंडिया मिशन, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), जन शिक्षण संस्थान, आईटीआई, पॉलिटेक्निक संस्थान, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया तथा मेक इन इंडिया जैसी अनेक पहलें युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।

जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

विचार मंथन

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुकसान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सरल नहीं है। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनकी हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेंगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इज़राइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है।

दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया।

इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमले की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट, पाकिस्तान-अफगानिस्तार, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 561, निफ्टी 158 अंक गिरा

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.95 अंक फिसलकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नीचे आये। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं बजाज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स के शेयर उछले।निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा नीचे आये। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टर के अनुसार देखें तो निफ्टी रियल्ट, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह निवेशकों ने मुनाफावसूली का रुख अपनाया, जिससे घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में ही गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद बीएसई सेंसेक्स 388.16 अंक की कमजोरी के साथ 77,228.24 पर और एनएसई निफ्टी 50, 102 अंक गिरकर 24,109.10 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.37 और 0.57 फीसदी तक लुढ़क गए।

बजट स्मार्टफोन और टीवी की बिक्रि में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

मेमोरी चिप की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी बनी वजह

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई का असर अब बजट इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहा है। एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज हुई है। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी से उत्पादन लागत बढ़ने के कारण ग्राहकों ने खरीदारी टाली है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई के दौरान 12,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 54 फीसदी की भारी गिरावट आई है। नतीजतन, कुल स्मार्टफोन बिक्री में एंट्री-लेवल सेगमेंट की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 14 फीसदी रह गई है। इसके विपरीत 12,000-30,000 रुपए कीमत वाले फोन की बिक्री में 17 फीसदी और 30,000 रुपए से ऊपर के प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टीवी बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला। जनवरी-जून के दौरान 32 इंच टीवी की बिक्री 35 फीसदी से अधिक घटी है, जबकि 43 इंच और उससे बड़े टीवी की मांग में 8-15 फीसदी का उछाल आया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार बड़े टीवी में मेमोरी चिप की लागत का हिस्सा कम होने से उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है। पिछले कुछ महीनों में 32 इंच टीवी की कीमत औसतन 3,000-3,500 रुपए और 43 इंच मॉडल की 3,000-5,000 रुपए तक बढ़ चुकी है, क्योंकि मेमोरी चिप की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई ने तोड़ा आरबीआई का लक्ष्य, जून में 4.38 फीसदी पर पहुंची

ईंधन व खाद्य पदार्थों ने बढ़ाई रफ्तार, नई श्रृंखला में पहली बार 4 फीसदी का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई, जो मई में 3.93 फीसदी थी। नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तहत जनवरी 2025 के बाद यह पहली बार है जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 फीसदी के लक्ष्य को पार कर गई है। इसे मुख्य तौर पर ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण परिवहन, खाद्य और रेस्तरां सेवाओं की लागत बढ़ने से रफ्तार मिली। हालांकि अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि 5 अगस्त को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में तत्काल वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई बड़ी गिरावट है, जो अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल से घटकर जुलाई में करीब 71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। जून का महंगाई आंकड़ा 2024 की नई सीपीआई श्रृंखला के तहत छठा आंकड़ा है। मई के मध्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद जून इस आंकड़े का पहला पूरा महीना था, जिसका असर परिवहन खंड में स्पष्ट दिखा, जहां महंगाई दर मई में 1.75 फीसदी से बढ़कर जून में 4.31 फीसदी हो गई। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) के आधार पर खाद्य महंगाई दर भी जून में 5.32 फीसदी हो गई, जो मई में 4.78 फीसदी थी। यह अदरक (50.41 फीसदी) और टमाटर (31.92 फीसदी) जैसी सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.74 फीसदी हो गई, जो शहरी क्षेत्रों में दर्ज 3.92 फीसदी से अधिक है। इक्रा की एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना से इनकार किया है, हालांकि वह पश्चिम एशिया में तनाव और मानसून के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इसके विपरीत, बैंक ऑफ बड़ौदा के मदन सबनवीस वर्ष के अंत तक, संभवतः अक्टूबर के बाद, दर वृद्धि की संभावना देखते हैं। अर्थशास्त्री मूल्य दबाव बने रहने की आशंका जता रहे हैं, क्रिसिल ने इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

जीवन बीमा क्षेत्र में पहली तिमाही अप्रैल-जून में 27.6 फीसदी एपीई बढ़ी

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में बड़े नियामक बदलावों और बाजार की बदलती गतिशीलता से गुजरने के बाद भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जबरदस्त वापसी की है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सेक्टर में न केवल नई पॉलिसियों की बिक्री तेज हुई है, बल्कि लोग अब पहले से कहीं अधिक बीमा कवर भी ले रहे हैं, जो वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता और कंपनियों के सफल समायोजन को दर्शाता है। मार्च में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के कारण कई लोगों ने नई पॉलिसी खरीदने का फैसला कुछ समय के लिए टाल दिया था, जिसके चलते कारोबार में अस्थायी सुस्ती आई थी। हालांकि, अप्रैल की शुरुआत से ही मांग में फिर से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। निजी जीवन बीमा कंपनियों की नई पॉलिसियों से होने वाली आय एनुअलाइज्ड प्री मियम इक्वीवेलेंट (एपीई) में पहली तिमाही में कुल मिलाकर 27.6 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मासिक आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल में एपीई 21.7, मई में 12.3 फीसदी और जून में 13.6 फीसदी बढ़ा। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बीमा कवर की वृद्धि नई पॉलिसियों की संख्या या एपीई वृद्धि से कहीं ज्यादा रही।

निजी कंपनियों का कुल बीमा कवर पहली तिमाही 27 में 47.1 फीसदी बढ़ा, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ग्राहक अब सिर्फ बीमा पॉलिसियां नहीं खरीद रहे, बल्कि कम रकम के बजाय ज्यादा सुरक्षा और बड़ा कवर देने वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह लोगों में वित्तीय नियोजन और भविष्य की अनिश्चितताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है।

थोक मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 9.87 फीसदी, वैश्विक तनाव का असर

खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई वृद्धि

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की संभावित नाकेबंदी, खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई है। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी जलडमरूमध्य के जरिये करता है, जिससे लागत बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई मई के 3.60 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5.49 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में यह 11.07 प्रतिशत और ईंधन व बिजली में 27.41 प्रतिशत (मई में 30.33 प्रतिशत) दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों की श्रेणी में थोक मुद्रास्फीति मई की तरह जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी जून में 17 महीने के उच्च स्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई पर गौर करता है ।

बंदरगाहों पर नहीं, बाहर टूट रही सप्लाई चेन! जेएनपीए जाम ने खोली लॉजिस्टिक्स सिस्टम की पोल

रिकॉर्ड कार्गो हैंडलिंग के बावजूद ट्रेलर ड्राइवरों की कमी, जाम, खराब सड़कें और सीमित पार्किंग बनीं बाधा

नई दिल्ली ।

भारत के बंदरगाह लगातार रिकॉर्ड माल ढुलाई संभाल रहे हैं, लेकिन माल को बंदरगाह से समय पर बाहर निकालना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। देश के सबसे बड़े कंटेनर गेटवे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) में हाल में देखने को मिली भारी भीड़ ने लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दिया है। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी के मुताबिक जेएनपीए में पैदा हुई समस्या बंदरगाह की क्षमता से जुड़ी नहीं थी। उनका कहना है कि टर्मिनल संचालन सामान्य रहा, लेकिन ट्रेलर और ड्राइवरों की कमी के कारण कंटेनरों की निकासी प्रभावित हुई। इससे साफ है कि बंदरगाहों और जमीनी परिवहन नेटवर्क के बीच तालमेल अभी भी कमजोर है।

महाराष्ट्र राज्य मोटर मालिक संगठन के अनुसार खाली कंटेनर यार्ड में ट्रकों को कई बार 6 घंटे से लेकर पूरे दिन तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह प्रक्रिया दो घंटे से कम समय में पूरी हो जानी चाहिए। ड्राइवरों की कमी और परिचालन अक्षमताएं इस समस्या की बड़ी वजह हैं। संगठन का कहना है कि बंदरगाह क्षेत्र में ड्राइवरों के लिए अस्पताल, कैंटीन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

यही कारण है कि नए ड्राइवर इस रूट पर काम करने से बच रहे हैं, जिससे संकट और गहरा रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक निजी खाली कंटेनर यार्डों की अधिक संख्या और सीमित पार्किंग क्षमता के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। एक ट्रक चालक ने बताया कि महज 7 किलोमीटर की दूरी तय करने में कभी-कभी तीन घंटे तक लग जाते हैं। मई में स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि आयातित माल की निकासी में 12 से 15 दिनों तक की देरी दर्ज की गई।

चीन का निर्यात चमका, एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मांग मजबूत

जून में निर्यात में 27 फीसदी की वृद्धि, आयात में भी 36 फीसदी का उछाल

हांगकांग ।

चीन ने जून में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न मजबूत वैश्विक मांग ने इस उछाल को बढ़ावा दिया। चीन के सीमा शुल्क विभाग के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कहीं बेहतर रही और मई की 19.4 प्रतिशत की वृद्धि को भी पीछे छोड़ दिया। इसी अवधि में, आयात में भी 36 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई, जो मई के 27.4 प्रतिशत से अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन, अन्य प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्यात में विशेष तेजी आई, जो एआई अपनाने की बढ़ती दर का परिणाम है। निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र की यह मजबूती देश में घरेलू उपभोग और निवेश में जारी कमजोरी के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित कर रही है। अमेरिका और यूरोप जैसे देशों द्वारा बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंता जताए जाने के बीच, चीन अधिक शुल्क जैसी व्यापारिक बाधाओं से बचने के लिए यूरोप में स्थानीय उत्पादन बढ़ा रहा है और दक्षिण-पूर्व एशिया, लातिन अमेरिका तथा अफ्रीका जैसे नए बाजारों में अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है।

बच्चों की शिक्षा के लिए आरबीआई का विशेष बचत प्लान, अधिक ब्याज पर विचार

महंगाई और बढ़ती शिक्षा लागत के बीच परिवारों को राहत देने का लक्ष्य

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और शिक्षा की बढ़ती लागत के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बच्चों की पढ़ाई के लिए एक विशेष बचत योजना शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित योजना के तहत बच्चों की शिक्षा के लिए खोले जाने वाले खातों पर सामान्य बचत खातों की तुलना में अधिक ब्याज दिया जा सकता है, ताकि परिवार समय रहते बेहतर शिक्षा फंड तैयार कर सकें। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर बैंकों से राय और सुझाव मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इस विषय पर व्यावहारिक पहलुओं पर प्रतिक्रिया मांगी है। बैंकिंग उद्योग अब इस पर आपसी चर्चा कर अपनी सिफारिशें आरबीआई को सौंपेगा। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने इस संबंध में सुझाव साझा करते हुए बैंकों से फीडबैक मांगा है। बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ मिलकर इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और जल्द अपनी रिपोर्ट देंगे। एक अन्य बैंक अधिकारी के अनुसार यदि इस तरह का विशेष बचत उत्पाद लागू किया जाता है तो इसके लिए नए नियामकीय प्रावधानों की आवश्यकता होगी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 48 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.16 पर पहुंच गया। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह टूटकर 96.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 48 पैसे की कमजोरी दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ 95.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.17 पर रहा।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी की चमक लौटी

सोना 640 रुपए तेज होकर 1,40,949 प्रति 10 ग्राम, चांदी 582 बढ़कर 2,18,300 प्रति किलो

नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भाव में सुधार देखने को मिला। सोमवार को आई बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को दोनों महंगी धातुओं के भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव उछाल पर कारोबार कर रहे थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां सोने में तेजी दिखी, वहीं चांदी के भाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 640 रुपये की तेजी के साथ 1,40,949 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुले। पिछला बंद भाव 1,40,309 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह 522 रुपये की बढ़त के साथ 1,40,831 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,41,000 रुपये का उच्च स्तर और 1,40,796 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। सितंबर डिलीवरी के लिए चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 615 रुपये की तेजी के साथ 2,18,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। सोमवार को यह 2,17,718 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय चांदी 582 रुपये की बढ़त के साथ 2,18,300 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन में चांदी ने 2,18,566 रुपये का उच्चतम स्तर और 2,17,923 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई, जबकि चांदी में हल्की नरमी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 15.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,021.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4,005.70 डॉलर के पिछले बंद भाव से ऊपर था। हालांकि कॉमेक्स पर चांदी 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 57.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जो 57.97 डॉलर के पिछले बंद भाव से नीचे थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है।

केरल सरकार ने केआईआईएफबी की समीक्षा के लिए समिति गठित की

समिति संस्थागत, वित्तीय और प्रशासनिक पहलुओं की जांच करेगी

तिरुवनंतपुरम ।

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने राज्य के महत्वपूर्ण वित्तीय निकाय, केरल अवसंरचना निवेश कोष बोर्ड (केआईआईएफबी) के समग्र कामकाज की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधा पिल्लई करेंगी। सरकार का लक्ष्य केआईआईएफबी की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करना, प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और राज्य के अवसंरचना विकास को समर्थन देने की इसकी क्षमता को बढ़ाना है। समिति को केआईआईएफबी के संस्थागत, वित्तीय, प्रशासनिक और परिचालन ढांचे की गहन जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे विशेष रूप से केरल राज्य योजना बोर्ड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स द्वारा परिकल्पित मूल उद्देश्यों, दायित्वों और भूमिका की समीक्षा करनी होगी। कार्यादेश में समिति से ऐसे किसी भी व्यय, लेनदेन या वित्तीय व्यवस्था की पहचान करने के लिए कहा गया है, जिसे उसकी राय में लेखा-परीक्षा, वित्तीय प्रबंधन या प्रशासनिक दृष्टि से विस्तृत जांच की आवश्यकता हो। इसके अतिरिक्त समिति को किसी भी संभावित अनियमितता या प्रणालीगत कमी का पता लगाने तथा संगठन के पुनर्गठन, सरकारी तंत्र में उसकी क्षमता के पुनर्विनियोजन और स्थापित अनुषंगी इकाइयों के भविष्य के बारे में सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवराज ने अभिषेक शर्मा और वैभव की जमकर प्रशंसा करते हुए फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की तुलना

लंदन ।

दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो जिस प्रकार से निडर होकर खेलते हैं वह मुझे पंसद है। युवराज सिंह ने अपनी और इनकी तुलना हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की है। युवराज ने कहा है कि मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार और वैभव टर्मिनेटर छह है। गौरतलब है कि अभिषेक उनके शिष्य हैं जिन्हें व समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। वहीं युवराज ने 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का अवसर मिलता है तो उन्हें खुशी होगी। युवराज ने कहा, मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है। युवराज ने कहा, मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है।

लॉर्ड्स में लहराया तिरंगा

भारत की बेटियों ने रचा इतिहास, इंग्लैंड को 270 रन से रौंदा

7 विकेट लेने वाली क्रांति प्लेयर ऑफ द मैच

लंदन।

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास में पहली बार खेला गया महिला टेस्ट भारतीय टीम ने जीत लिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारतीय टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में मेजबान टीम पर भारी पड़ी। रनों के लिहाज से यह भारतीय महिला टीम की दूसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत रही। इससे पहले टीम ने 2023 में इंग्लैंड को ही 347 रन से हराया था। भारत को आज तक इंग्लैंड में महिला टेस्ट में हार नहीं मिली है। टीम ने यहां अब तक 11 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 3 जीते हैं, जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 170 पर सिमट गई। भारत को 115 रन की बढ़त मिली। भारत ने दूसरी पारी 341 रन पर घोषित की और 457 रन का टारगेट दिया। इंग्लैंड 186 पर ऑलआउट हो गई।

युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में 5 विकेट झटके। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 2 विकेट लिए।

उनके इस प्रदर्शन पर उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस मुकाबले में क्रांति गौड़ ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 7 विकेट झटके और लॉर्ड्स में 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली महिला गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। उनका नाम प्रतिष्ठित लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में भी दर्ज हो गया। वहीं यास्तिका भाटिया लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम की यह जीत केवल एक बड़ी जीत नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक यादगार उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गई है।

सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में पहुंचीं

ध्रुव और तनीशा की जोड़ी मिश्रित युगल में जीती

टोक्यो ।

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं सिंधु ने मंगलवार को यहां हुए महिला एकल के एक अहम मुकाबले में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में आसानी से हरा दिया। इसमें विश्व रैंकिंग में 10 वी वरीयता प्राप्त सिंधु ने 37वीं वरीयता प्राप्त वोंग को 21-14, 21-11 से हरा दिया। इस जीत के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की है। सिंधु पूरे मैच के दौरान सहज और आत्मविश्वास से भरी रहीं और उन्होंने विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। सिंधु के अलावा भारत के ही ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की जोड़ी ने मिश्रित युगल में जीत के साथ ही अगले दौर में जगह बनायी। इस जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के ही रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। इस जोड़ी को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग ने 11-21, 10-21 से हराया।

एकल मुकाबले में सिंधु खेल की शुरुआत से ही हावी रहीं। उन्होंने 7-4 की शुरुआती बढ़त हासिल की। मलेशियाई खिलाड़ी वोंग ने वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। मध्यांतर तक सिंधु 11-6 से आगे थीं। सिंधु ने खेल के साथ ही अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचाया और अंत में पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए और मलेशियाई खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने तेजी से 8-2 की बढ़त बना ली, और मध्यांतर तक स्कोर 11-3 तक पहुंचा दिया। इसके बाद भी सिंधु ने अपनी बढ़त बनाए रखी और जल्द ही 10 मैच अंक हासिल कर लिए। भारतीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे मैच अंक को हासिल करने के साथ ही मुकाबला 21-11 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

एशियन गेम्स से ज्यादा मुश्किल क्यों है कॉमनवेल्थ गेम्स? भारत के 400 मीटर धावकों ने बताई वजह

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की शुरुआत 23 जुलाई से होने जा रही है, जिसके बाद सितंबर-अक्टूबर में एशियन गेम्स का आयोजन होगा। इसमें हिस्सा लेने जा रहे भारत के टॉप 400 मीटर एथलीट्स का मानना है कि ग्लासगो गेम्स में मुकाबला, सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होने वाले मुकाबले से ज्यादा कड़ा होगा। धावकों ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) मीडिया से कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के एथलीट्स की मौजूदगी में मुकाबला और कड़ा होगा, जिससे एशियन गेम्स से पहले अच्छी तैयारी होगी। भारत, ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 32 सदस्यों वाली ट्रैक एंड फील्ड टीम उतारेगा। विशाल थेन्नारासु कयालविझी कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की 400 मीटर और मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में हिस्सा लेंगे। पोलैंड के स्पला में सरकार की तरफ से प्रायोजित इंटरनेशनल ट्रेनिंग कैंप के लिए रवाना होने से पहले विशाल ने साई मीडिया से कहा, ÷कॉमनवेल्थ गेम्स मुश्किल हैं, अगर हम (कड़ी) मेहनत नहीं करते हैं तो यह मुश्किल है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह नामुमकिन है, मैं कहूंगा कि अगर हम अच्छी तरह से तैयारी करें तो (मेडल जीतना) मुमकिन है। कुछ भी आसान नहीं है, चाहे वह एशियन गेम्स हो या कॉमनवेल्थ गेम्स, क्योंकि ये बड़े मुकाबले हैं। यह एक समंदर की तरह है और मुझे खुद को साबित करने का मौका चाहिए, इसलिए मैं इसे एक अवसर के तौर पर लूंगा और वहां पूरी ताकत लगाने की कोशिश करूंगा।÷ 22 वर्षीय विशाल 60 सदस्यों वाले उस दल का हिस्सा हैं, जो पोलैंड जा रहा है। इस दल में 41 एथलीट, 19 कोच और सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) से जुड़े इस एथलीट ने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप के दौरान 400 मीटर में 44.98 सेकंड का नेशनल रिकॉर्ड बनाया था ।

दो दशक बाद सेमीफाइनल में भिड़ेंगी इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टीमें, 1962 में पहली बार विश्व कप में हुआ था आमना-सामना

अटलांटा

दो दशक बाद 16 जुलाई गुरुवार को इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टीमें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में आमने-सामने होने वाली हैं। दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले से वर्ल्ड कप की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक हो गया है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना पांच मुकाबले में आमने सामने हुए हैं। इस दौरान इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। इंग्लैंड की टीम तीन मुकाबले जीती है, जबकि अर्जेंटीना को दो मैचों में जीत मिली है, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना पहली बार वर्ष 1962 में विश्व कप में आमने-सामने हुए थे। जब इंग्लैंड ने ग्रुप चरण में 3-1 से जीत हासिल की थी, टीमों ने 1966 के क्वार्टर फाइनल में वेम्बली में प्रतिद्वंद्विता की नींव रखी थी। इंग्लैंड ने उस मैच में 1-0 से जीत हासिल की, जिसे ज्योफ हर्स्ट के देर से विजेता के रूप में कम, अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन की बर्खास्तगी के लिए याद किया जाता है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने ट्रॉफी तो जीत ली थी, लेकिन उस मुकाबले की खराब भावना दशकों तक बनी रही। अब 20 वर्ष बाद मेक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने की जंग होगी। बता दें कि स्वीट्जरलैंड को हराने के बाद अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। इसी के साथ ही लियोनेल स्कालोनी ने एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही नेशनल टीम के इतिहास के सबसे अहम मैनेजरों में अपनी जगह पक्की कर ली है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच लियोनेल स्कालोनी का नेशनल टीम के कोच के तौर पर 13वां वर्ल्ड कप मैच था। उन्होंने वर्ष 1978 वर्ल्ड कप चैंपियन सीजर लुइस मेनोट्टी का रिकॉर्ड तोड़ा है। सीजर लुइस मेनोट्टी ने 12 वर्ल्ड कप मैचों में टीम को संभाला था। अब लियोनेल स्कालोनी की नजर कार्लोस साल्वाडोर बिलार्डो से आगे निकलने पर है। कार्लोस साल्वाडोर बिलार्डो ने 14 वर्ल्ड कप मैचों में टीम को संभाला है। इनके बाद अब दूसरे नंबर पर लियोनेल स्कालोनी ही हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत की साान्या चेन्नई चैलेंजर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंची

चेन्नई ।

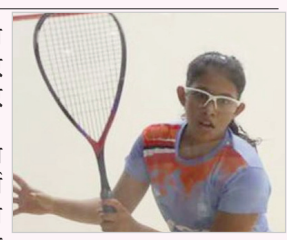

भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी सान्या वत्स अच्छा प्रदर्शन करते हुए यहां जारी एचसीएल स्क्वैश पीएसए चैलेंजर टूर-स्क्वैश एकेडमी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सान्या इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। सान्या ने महिला क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त सान्या ने अपनी ही देश की आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति त्रिपाठी को चार रोमांचक गेम में 11-6, 11-5, 8-11, 11-8 से हराया। अब सेमीफाइनल में सान्या का मुकाबला मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रौकैया ओथमान से होगा। रौकैया ने अपने क्वार्टर फाइनल में पूजा आरती रघु को 11-9, 13-11, 11-7 से हराया। वहीं अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में, तीसरी वरीयता प्राप्त राधिका सीलन को कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त ह्वायेओंग ईम ने 11-13, 11-4, 11-6, 11-5 से हराया जबकि अनन्या नारायणन ने टूर्नामेंट के पहले दौर में जेनेट विधि को चार गेमों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में, दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय सूरज चंद ने प्री-क्वार्टर फाइनल में कुवैत के अम्मार अल्तामिमी को 6-11, 11-5, 11-5, 11-6 से हराया। वहीं इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्हें मिस्र के अधम रोशडी से 8-11, 11-5, 12-10, 11-7 से हार झेलनी पड़ी थी। वहीं इसी प्रकार सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ओम सेमवाल भी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के शीर्ष वरीय जोआकिम चुआह से 11-3, 11-5, 11-9 से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गए। पुरुषों के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मलेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल ने स्पेन के ह्यूगो जेन को 11-8, 11-3, 11-7 से, जबकि कनाडा के सलाह एलटॉर्गमैन ने मलेशिया के वा सेर्न लो को एक संघर्षपूर्ण मैच में 9-11, 10-12, 11-4, 11-1, 11-4 से पराजित किया।

फीफा विश्व कप में गोल्डन बूट के लिए मेसी और एमबाप्पे के बीच कड़ा मुकाबला

मियामी ।

फीफा विश्वकप फुटबॉल अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और ऐसे में सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट अवार्ड के लिए भी मुकाबला कड़ा हो गया है।

गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के करिश्माई कप्तान लियोनेल मेसी और फ्रांस के युवा सनसनी किलियन एमबाप्पे 8-8 गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं, जिससे यह मुकाबला और भी कांटे का हो गया है।वहीं मेसी और एमबाप्पे के बीच सिर्फ गोल्डन बूट के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व कप के इतिहास में अपने कुल गोलों की संख्या को और बढ़ाने के लिए भी मुकाबला चल रहा है। मेसी के नाम अब तक 21 विश्व कप गोल दर्ज हैं, जबकि फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे 20 गोल के साथ उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। ऐसे में, आगामी सेमीफाइनल और संभावित फाइनल मुकाबले में ये दोनो ही दिग्गज अपने प्रदर्शन से इतिहास रह सकते हैं

इस रोमांचक दौड़ में नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड ने भी 7 गोल के साथ अपनी दावेदारी की थी पर हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में हारने के बाद उनकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। वहीं, इंग्लैंड के युवा मिडफील्डर जूड बेलिंगहम और कप्तान हैरी केन भी गोल्डन बूट के प्रबल दावेदार बने हुए हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने अब तक 6-6 गोल दागे हैं! , और चूंकि इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, उनके पास मेसी और एमबाप्पे को चुनौती देने और संभावित रूप से पीछे छोड़ने का पूरा मौका है।

अर्जेंटीना-इंग्लैंड में प्रतिद्वंद्विता जुड़ी हैं इतिहास की घटनाओं से

फॉकलैंड द्वीप और हैंड ऑफ गॉड गोल को लेकर रहा है विवाद

अटलांटा ।

फीफा विश्वकप फुटबॉल के दूसरे सेमीफाइनल में 16 जुलाई को अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबला केवल खेल से ही जुड़ा नहीं है। इसका दोनो देशों के बीच फॉकलैंड द्वीप को लेकर हुए युद्ध और 1986 में हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले को लेकर भी एक अलग ही इतिहास है। तब अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना ने विवादित हैंड ऑफ गॉड गोल के जरिये इंग्लैंड को हराया था।

ऐसे में इस बार जब लियोनेल मेसी की अर्जेंटीनाई मैदान पर उतरेगी तो उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से इंग्लैंड पर जीत दर्ज करन रहेगा। वहीं हैरी कैन की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य भी जीत हासिल करना रहेगा। ऐसे में दुनिया भर की नजरें इस पर टिकी रहेंगी। यहां तक कि टीम के खिलाड़ियों ने जश्न में जो गाना गाया, उसके बोलों ने अनचाहे ही अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच की गहरी ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता को उजागर कर दिया। गीत में 1994 के विश्व कप में डिएगो माराडोना के निष्कासन का बदला लेने और इस्लास माल्विनास का जिक्र था, जो फॉकलैंड द्वीप का अर्जेंटीनाई नाम है।गौरतलब है कि इन द्वीपों को लेकर 1982 में दोनों देशों के बीच एक भयंकर युद्ध हुआ था, जिसमें 900 से अधिक लोगों की जान गई और हजारों घायल हुए थे। फॉकलैंड द्वीप अर्जेंटीना के दक्षिणी तट से लगभग 400 किमी दूर स्थित हैं और वर्तमान में ये ब्रिटिश ओवरसीज टेरिटरी के नियंत्रण में हैं।

अर्जेंटीना इन्हें स्पेनिश उपनिवेशों से विरासत में मिला अपना क्षेत्र बताता है, जबकि ब्रिटेन 1833 से इनके प्रशासन का हवाला देते हुए कहता है कि वहां के लोगों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। आज भी फॉकलैंड को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद बना हुआ है। फुटबॉल के मैदान पर भी इन दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता चरम पर रही है।

फ्रांस की टीम जीत सकती है फीफा विश्व कप 2026 खिताब ओलिवर कान

लंदन ।

जर्मनी के महान गोलकीपर ओलिवर कान ने कहा है कि इस इस फ्रांस की टीम फीफा विश्वकप खिताब जीत सकती है। जर्मन खिलाड़ी कान के अनुसार फ्रांस की खिताबी जीत की दावेदारी इस बार इसलिए मजबूत है क्योंकि टीम का संतुलन अच्छा है और उसके सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। साथ ही कहा कि अन्य टीमें भी अच्छी हैं और कोई भी विश्वकप जीत सकती है पर वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए फ्रांस की दावेदारी पक्की नजर आ रही है। फ्रांस की टीम बुधवार) को डलास स्टेडियम में पहले सेमीफाइनल में स्पेन से टकरायेगी। कान के अनुसार, इस सेमीफाइनल में वही टीम जीतेगी जो मिडफील्ड पर नियंत्रण बनाए रखेगी और अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत रखेगी।साथ ही कहा कि सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में जीत आम-तौर पर छोटे-छोटे अंतर से तय होती है। साथ ही कहा कि स्पेन के लिए फ्रांस की रक्षापंक्ति को तोड़ना आसान नहीं होगा। उन्हें धैर्य के साथ खेलना होगा, तेजी से पासिंग करनी होगी, मैदान के कुछ हिस्सों में ज्यादा खिलाड़ियों को लाना होगा और साथ ही अपनी रक्षापंक्ति का संतुलन बनाए रखना होगा। इसका कारण है कि फ्रांस पलटवार में दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। कान ने आधुनिक फुटबॉल में गोलकीपर की बदलती और बढ़ती भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजकल के गोलकीपर सिर्फ गोल बचाने वाले नहीं होते, बल्कि वे असल में पहले अटैकर और आखिरी डिफेंडर दोनों होते हैं।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी अभी खतरे में नहीं अभिषेक नायर

मुम्बई ।

आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार हार से टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठे हैं पर कहा कि उनकी कप्तानी को अभी कोई खतरा नहीं है। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उसे मेजबान इंग्लैंड ने भी 4-0 से हरा दिया। इन हारों के बाद नायर ने कहा कि जब आप किसी को एक चैंपियन टीम की कप्तानी सौंपते हैं, तो आप उसे अपनी टीम चुनने की आजादी भी देना चाहते हैं। नायर ने साफ किया कि इन दो सीरीज के बाद, अय्यर के पास यह सोचने और समझने का समय होगा कि उन्हें इस टीम से क्या चाहिए, उन्हें उनसे कैसे खेलने की जरूरत है और सहयोगी स्टाफ से उनकी क्या अपेक्षाएं हैं।

फीफा विश्वकप अर्जेंटीना और इंग्लैंड मुकाबले में मेसी और केन पर रहेंगी नजरें

अटलांटा ।

फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को अटलांटा स्टेडियम में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। इसमें सभी की नजरों अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन पर रहेंगी। इन दोनो ही स्टार खिलाड़ियों पर अपनी-अपनी टीमों को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगा। मेसी और केन ने अब तक विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया है। और ये दोनो ही सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट के भी दावेदार हैं। मेसी ने अब तक 8 गोल जबकि केन ने 6 गोल किये हैं। ऐसे में इनके बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों देशों के बीच साल 2005 के बाद से कोई मुकाबला नहीं हुआ है। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

इस टूर्नामेंट में दोनों ही टीमों ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं। अर्जेंटीना ने ग्रुप स्तर के अपने तीनों मुकाबले जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया, हालांकि केप वर्दे, मिस्र और स्विट्जरलैंड जैसी टीमों के खिलाफ उसे संघर्ष करना पड़ा। इसके बावजूद, टीम लगातार जीत के साथ ही सेमीफाइनल तक पहुंची है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने भी अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया है। प्री-क्वार्टर फाइनल में उसने मैक्सिको और क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। आंकड़ों पर नज़र डालें तो, अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच अब तक कुल 5 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें इंग्लैंड ने 3 जबकि अर्जेंटीना ने 2 में जीत हासिल की है। हालांकि, विश्व कप इतिहास में दोनों टीमें चार बार आमने-सामने आई हैं और रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर है। अब कौन सी टीम जीतकर फाइनल में पहुंचेगी ये अब देखन होगा।

जेडेन की घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

1-1 से बराबरी पर आई सीरीज

गुयाना ।

जेडेन लेनॉक्स की घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 से वापसी की है क्योंकि पहला मैच वेस्टइंडीज ने जीता था। इस दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम केवल 138 रन ही बना पायी। इसके बाद मिले जीत के लिए मिले लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने आसानी से हासिल कर लिया। इस हार वेस्टइंडीज की कमजोर बल्लेबाजी की पोल खुल गयी।मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कैरेबियाई टीम 36 ओवर में सिर्फ 138 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। केवल जॉन कैम्पवेल ही 43 रन बना पाये। इसके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज मैच में टिक नहीं पाया। न्यूजीलैंड की जीत में युव तेज गेंदबाज जेडेन की मुख्य भूमिका रही। जेडेन ने 8 ओवर में केवल 19 रन देकर पांच विकेट लिए और मैच में हीरो बनकर उभरे। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर ने भी 2-2 विकेट लिए। इसक बाद जीत के लिए मिले 139 रनों के लक्ष्य को मेहमान कीवी टीम ने आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान टॉम लाथम ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 61 गेंदों में 37 रन बनाए और अपनी टीम को जीत के करीब तक पहुंचाया। उनके अलावा विल यंग और डेरिल मिचेल ने 28-28 रनों का अहम योगदान दिया, जबकि माइकल ब्रेसवेल ने 24 और हेनरी निकोल्स ने 17 रन बनाकर टीम की जीत तय की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान हो है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

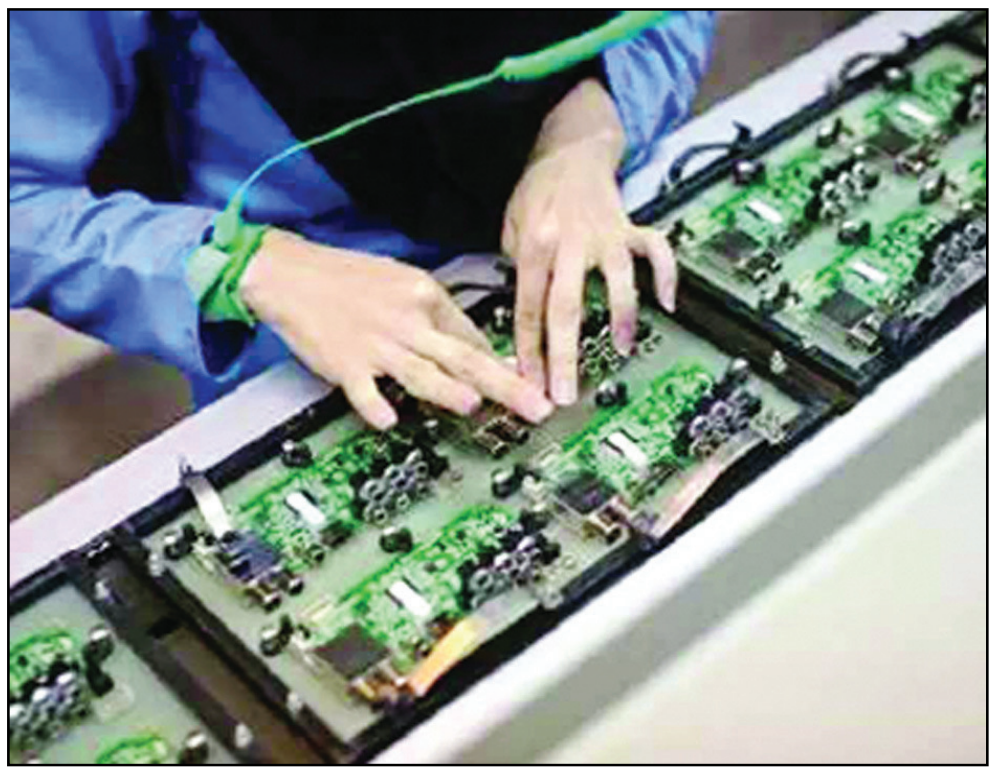

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे के आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल : 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेज़ों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फ़ोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजथोक निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध

में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अडिग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

-राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

-प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

-महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले

नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

ज्ञानवापी मध्यस्थता : हिंदू पक्ष का स्वागत, मुस्लिम पक्ष पर असहयोग का आरोप

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल ने फिर वाराणसी में हलचल मचा दी है। हिंदू पक्ष के वादकारियों ने कदम का स्वागत कर जिला न्यायालय में होने वाली मध्यस्थता संबंधी बैठक में शामिल होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने मुस्लिम पक्ष और ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति पर इस पहल को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है।

हिंदू पक्ष के वादी सोहन लाल आर्य ने सुप्रीम कोर्ट की पहल को सकारात्मक बताया, लेकिन मुस्लिम पक्ष द्वारा अस्वीकार करने को सामाजिक सद्भाव के लिए ठीक नहीं बताया। आर्य ने कई सवाल उठाए, जैसे कि क्या दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद है जिसके नीचे पूजा हो और ऊपर नमाज पढ़ी जाए, या जिसके सामने नंदी विराजमान हों? उन्होंने इन्हीं को अपने प्रमुख प्रमाण और साक्ष्य बताया। उन्होंने दावा किया कि वक्फ बोर्ड और प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 से जुड़े मामलों में मुस्लिम पक्ष जिला न्यायालय और इलाहाबाद हाईकोर्ट में हार

चुका है, और इसी कारण वे अब सुप्रीम कोर्ट में मध्यस्थता से बच रहे हैं।

हिंदू पक्ष की एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी ने भी मुस्लिम पक्ष पर लगातार बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को पता है कि ज्ञानवापी मंदिर है, मस्जिद नहीं, इसलिए वे मध्यस्थता में शामिल नहीं होना चाहते और मामले को लंबा खींचना चाहते हैं। उन्होंने 1669 में औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर जबरन मस्जिद निर्माण की बात कही।

ज्ञानवापी मामले की एक और हिंदू वादी ने कहा कि उनका विश्वास है कि यह स्थल मंदिर है और वे उसी पक्ष में अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट या दूसरा पक्ष स्वीकार कर मंदिर वापस कर दे, तब कोई विवाद नहीं रहेगा। साहू ने कहा कि हिंदू पक्ष हमेशा न्यायालय के आदेशों का सम्मान करता है और वे स्वयं समझौते के पक्ष में हैं, लेकिन जिसे वे मंदिर मानते हैं, उसे मस्जिद नहीं कह सकते।

किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बाजार में मौत बनकर घुसी कार: नौसेना अधिकारी की लापरवाही ने ली कई लोगों की जान

विना डेल मार, एजेंसी। चिली के तटीय शहर विना डेल मार में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिली नौसेना के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी द्वारा चलाई जा रही निजी कार अचानक एक खुले बाजार में जा घुसी। इस भीषण हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अलग-अलग स्तर पर घायल हो गए। चिली नौसेना ने एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और एक रिहायशी इलाके के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में कथित तौर पर वह भयावह पल कैद है, जब तेज रफ्तार कार बाजार की दुकानों और ठेलों में जा घुसती है। अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि चालक को पुलिसकर्मी जल्दबाजी में एक पुलिस वाहन तक ले जा रहे हैं, जबकि गुस्साए लोग उसके पीछे दौड़ते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। चिली नौसेना ने अपने बयान में कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है और कई अन्य अलग-अलग स्तर की चोटों के साथ घायल हुए हैं। नौसेना ने यह भी कहा कि वह हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में मृतकों की सटीक संख्या नहीं बताई। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। विना डेल मार के पुलिस प्रीफेक्ट कर्नल जॉर्ज गाइता ने पत्रकारों से कहा कि चालक का कहना है कि उसे घटना की कोई याद नहीं है। उन्होंने बताया कि हादसे की असली वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। कर्नल जॉर्ज गाइता के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सही दिशा में चल रही थी, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक वाहन फुटपाथ पर चढ़ गया और घूमते हुए आगे बढ़ा। कर्नल गाइता ने बताया कि सौभाग्य से बस स्टॉप से टकराने के बाद कार रुक गई। अगर वाहन आगे बढ़ता रहता, तो इससे कहीं ज्यादा जानमाल का नुकसान हो सकता था।

बच्चियों के जबरन धर्म परिवर्तन पर यूरोपीय संघ ने शहबाज सरकार को लताड़ा

ब्रुसेल्स, एजेंसी। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें पाकिस्तान के अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण और जबरन इस्लाम धर्म अपनाने की घटनाओं को रोकने की मांग की गई है। प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि जबरन धार्मिक परिवर्तन और विवाह से जुड़े मामलों में लगभग 25 प्रतिशत पीड़ित ईसाई लड़कियां होती हैं। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने पाकिस्तान से बाल विवाह को समाप्त करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने और अल्पसंख्यक समुदायों की उन लड़कियों के परिवारों की शिकायतों से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय तंत्र बनाने का आग्रह किया, जिनका अपहरण या जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। यूरोपीय संसद ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए 13 वर्षीय ईसाई लड़की मारिया शहबाज के मामले का भी जिक्र किया। प्रस्ताव के मुताबिक, मारिया का कथित रूप से जुलाई 2025 में 30 वर्षीय शेहरयार अहमद ने अपहरण किया था, जिस पर उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाकर शादी के लिए मजबूर करने का आरोप है। सांसदों ने इस मामले से जुड़ी कानूनी कार्यवाही का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर और लड़की के नाबालिग होने के सबूतों के बावजूद, पाकिस्तान की संघीय संवैधानिक अदालत ने आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया और बच्ची को उसके पास वापस भेज दिया। यूरोपीय संसद ने अदालत के इस फैसले की कड़ी आलोचना की और मांग की कि मारिया शहबाज को कानूनी सहायता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वह इस कठिन अनुभव से उबर सके। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि मानवाधिकार संगठनों के अनुमान के मुताबिक, हर साल अल्पसंख्यक समुदायों के 1,000 से अधिक नाबालिग इस तरह के अत्याचारों का सामना करते हैं। यूरोपीय संसद ने उन आरोपों पर भी चिंता जताई कि कई बार स्थानीय अधिकारी ऐसे मामलों में मिलीभगत करते हैं, जबकि अदालतें बाल संरक्षण कानूनों की अनदेखी करती हैं, जिससे जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है या उसे वैधता मिलती है। संस्थागत कार्रवाई को मजबूत करने की मांग करते हुए यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस्लामाबाद से अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के सभी मामलों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैंकॉक पब अग्निकांड
बाथरूम की ओर भागे पर नहीं मिला रास्ता

भीषण आग में 27 की मौत 22 की हालत गंभीर

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शहर के चोम फोन इलाके में स्थित एक पब में आधी रात के करीब भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग इतनी भयावह थी कि पब के भीतर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

बैंकॉक के पब में कैसे लगी आग?

चश्मदीदों और पब में मौजूद म्यूजिशियन के अनुसार, हादसे की शुरुआत स्टेज के पास लगे एक सर्किट ब्रेकर से हुई। सबसे पहले वहां से धुआं निकला और देखते ही देखते पूरे पब की बिजली गुल हो गई। इसके तुरंत बाद एक तेज धमाका हुआ और आग की लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। पब के भीतर उस समय भारी भीड़ मौजूद थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वहां चीख-पुकार मच गई।

मौत का जाल बना बाथरूम

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि आग लगने के बाद जैसे ही पब धुएं से भर गया, घबराए हुए लोग जान बचाने के लिए पीछे के हिस्से में मौजूद बाथरूम की ओर भागे। हालांकि, वहां कोई एग्जिट गेट नहीं होने के कारण वे वहीं फंस गए। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई है और कई शव बाथरूम के पास से ही बरामद किए गए हैं।

बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, इस अग्निकांड में झुलसे 63 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने जानकारी दी कि घायलों में से 22 की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पब की क्षमता 300 से अधिक लोगों की थी, और हालांकि सोशल मीडिया पर इसके चार फायर एग्जिट होने का दावा किया गया था, लेकिन हादसे के समय वे प्रभावी साबित नहीं हुए।

आधे घंटे में आग पर काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन दल के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पाया। बचाव दल ने पब के भीतर फंसे कई लोगों को बाहर निकाला और उन्हें तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग बुझने के बाद पब के भीतर का नजारा बेहद डरावना था। वहां रखी टेबल, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पुष्टि की कि इस भीषण हादसे में अब तक 27 लोगों की जान जा चुकी है।

थाईलैंड में अग्निकांडों का पुराना इतिहास

थाईलैंड में पब और नाइटक्लबों में आग लगने की यह पहली बड़ी घटना नहीं है। इससे पहले साल 2022 में भी देश के पूर्वी हिस्से में एक म्यूजिक पब में आग लगने से 14 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1 जनवरी 2009 को सांतिका नाइटक्लब में नए साल के जश्न के दौरान हुई भीषण आग ने पूरी दुनिया को हिला दिया था, जिसमें 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस समय आग का कारण घर के भीतर की गई आतिशबाजी को बताया गया था। हालिया घटना ने एक बार फिर थाईलैंड में व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा मानकों और फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे ईटी तक यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक, परिवारों को टीवी से मिली खबर

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है। पलटी बोट के नीचे फंस गए थे पर्यटक भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। जो लोग बोट के आगे बैठे थे वे समुद्र में कूदकर बाहर निकल गए लेकिन अंदर बैठे कई यात्री उलटी हुई बोट के नीचे फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय नाविक हा वान लोक ने बताया कि उन्होंने समुद्र में पलटी हुई बोट देखी, जिस पर कई लोग चिपके हुए थे। कुछ लोग बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में बह रहे थे। उनकी टीम ने रस्सी फेंककर लोगों को बाहर निकाला और तुरंत दूसरी रेस्क्यू टीमों को सूचना दी।

इजरायल में आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को होगा

गाजा युद्ध के साये में पीएम नेतन्याहू की साख दांव पर

तलअवाव, एजेंसी। इजरायल का ससद न रविवार को आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि देश में अगला आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को ही होगा। यह कानून द्वारा तय की गई आखिरी तारीख है। संसद ने एक बयान जारी कर साफ किया कि चूंकि वर्तमान सरकार अपना पूरा कार्यकाल खत्म करने जा रही है, इसलिए समय से पहले संसद को भंग करने के लिए किसी नए कानून को बनाने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार के इस कदम के बाद इजरायल में समय से पहले चुनाव होने की तमाम अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है।

50 साल बाद पहली बार सरकार पूरा करेगी कार्यकाल

यह चुनाव इजरायल के राजनीतिक इतिहास के लिए बेहद खास है। पिछले करीब 40 सालों में यह पहली बार होने जा रहा है जब देश में चुनाव किसी विवाद के कारण समय से पहले न होकर, अपने बिल्कुल तय समय पर हो रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली यह गठबंधन सरकार पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपना 4 साल का पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक समाप्त करने वाली पहली इजरायली सरकार बनने जा रही है। इससे पहले, मई के महीने में संसद भंग करने के पक्ष में हुए एक मतदान के बाद समय से पहले चुनाव होने का डर सताने लगा था।

चौतरफा चुनौतियों के बीच नेतन्याहू को राहत

जनता के गुस्से और भारी चुनौतियों के बावजूद नेतन्याहू के लिए राहत की बात यह है कि इजरायल के विपक्षी दल अभी तक बिखरे हुए हैं। विपक्ष के पास नेतन्याहू को टक्कर देने के लिए न तो कोई एकजुट रणनीति है और न ही कोई एक चेहरा। विपक्ष की इसी कमजोरी और स्पष्ट नेतृत्व की कमी को इस समय नेतन्याहू के गठबंधन के लिए सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

नेतन्याहू की साख पर 'जनमत संग्रह'

इस मतदान को व्यापक रूप से अक्टूबर 2023 में हमास के हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान व ईरान के साथ छिड़े युद्धों के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लोकप्रियता और नेतृत्व पर एक 'जनमत संग्रह' के रूप में देखा जा रहा है। युद्ध छिड़ने के बाद देश में यह पहला आम चुनाव होगा। 76 वर्षीय नेतन्याहू के लिए इस बार राह आसान नहीं है। प्री-पोल सर्वे के संकेत बताते हैं कि नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक दलों के गठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और वे सत्ता से हाथ धो सकते हैं। हाल ही में ईरान के साथ हुए युद्ध के नतीजों और अक्टूबर 2023 में हमास के अचानक हुए हमले के बाद, नेतन्याहू की 'देश को सुरक्षित रखने' वाली छवि को गहरा धक्का लगा है, जिससे उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरा है। इसके अलावा, नेतन्याहू साल 2019 से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनमें दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है।

अमेरिका का ईरान पर नया हमला शुरू

24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी सेना ने की कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी सेना के होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग करने के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू कर दिए, जिससे दोनों देशों के बीच नाजुक सीजफायर और बिगड़ गया। अमेरिकी कमांड सेंटर ने कहा, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू कर दिए ताकि होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कम किया जा सके।' इसमें आगे कहा गया, 'कमांडर

इन चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए हमलों का निर्देश दिया है।' अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि 24 घंटे में ईरानी ठिकानों पर ये तीसरी अमेरिकी स्ट्राइक थी। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि नए हमले स्ट्रेट के पास और ईरान के तटीय इलाकों पर फोकस थे। अमेरिकी कमांड सेंटर के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, लगभग उसी समय, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने समुद्री मार्ग से गुजर रहे सिविलियन जहाजों पर फायरिंग की। अमेरिकी मीडिया सीएनएन और द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। हॉकिन्स ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, 'हम ईरान को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जस्क, केशम, बंदर अब्बास और सिरिक में धमाकों की खबर दी। सीएनएन ने कहा कि शुरू में किसी आम नागरिक के मरने या घर या दुकान को नुकसान होने की खबर नहीं मिली। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का यह नया ऑपरेशन रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम और आईआरजीसी की छोटी नावों पर किए गए हमलों के बाद हुआ।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें' मौलाना फजलुर रहमान

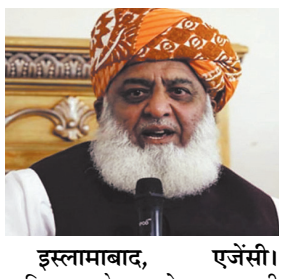

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया।

मौलाना फजलुर रहमान ने क्या कहा? : पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससे यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।' फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा 'देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था?

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

इंडोनेशिया में दो ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत

शादी से लौट रहे थे मेहमान, 5 घायल

जकार्ता, एजेंसी। इस वक्त की बड़ी खबर इंडोनेशिया के जावा द्वीप से सामने आ रही है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जिसमें यह बतौर मेहमान शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग एक खुले पिकअप वैन में सफर कर रहे थे। इस दौरान एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उनकी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक दूसरी लेन में चली गई, जहां अन्य ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इस तरह से दोनों ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो ट्रकों की टक्कर से हुआ हादसा : पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यस्त हाईवे पर शादी के लिए मेहमानों को ले जा रही एक पिकअप ट्रक दो ट्रकों के बीच कुचल गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस प्रमुख उडांग शरीफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुई। यह समूह पड़ोसी पारेन गांव में एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था।

ओपन पिकअप में सवार थे मेहमान : ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक खुली पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए जब गाड़ी धीमी हुई और मीडियन ओपनिंग के पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, 'टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस ज़बरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज़्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।'

हादसे में पांच लोग घायल : पुलिस ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले हाल ही में पाकिस्तान में भी एक बस खाई में गिर जाने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां ओवरलोडेड गाड़ियां, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त उपाय और ट्रैफिक नियमों का ठीक से पालन न करना अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

आखिर कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुष्कर्म पीड़िता का केस लड़ रहे वकील पर ही दुष्कर्म का आरोप

नाबालिग का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया, आरोपी पर घरेलू हिंसा समेत 6 मामले दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। वर्ष 2025 में अपहरण और दुष्कर्म की शिकार हुई 13 वर्षीय किशोरी और उसके परिवार ने जिस वकील पर न्याय दिलाने का भरोसा किया था, उसी पर किशोरी का कथित रूप से यौन शोषण करने और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगा है।

आरोप है कि वकील ने पीड़िता को उसके पुराने केस को कमजोर करने की धमकी देकर उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने पिता को दी, जिसके बाद उन्होंने सूरत के सचिन GIDC पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी वकील को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी की पत्नी ने भी उसके खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था और दोनों अलग-अलग रह रहे हैं।

वर्ष 2025 में, जब पीड़िता की उम्र लगभग 12 वर्ष 8 माह थी, तब 19 सितंबर 2025 को उसका कथित रूप से अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। इस संबंध में 22 सितंबर 2025 को सचिन GIDC पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था।

पुलिस ने 23 नवंबर 2025 को किशोरी को बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और अदालत में चार्जशीट दाखिल की। इस मुकदमे में पीड़ित परिवार ने अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए अधिवक्ता प्रणयराज गोविंदभाई रणवीर को अपना वकील नियुक्त किया था। परिवार को उन पर पूरा भरोसा था।

POCSO और BNS की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

सचिन GIDC पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 64(2)(ज), 65(1), 95, 115(2), 351(2) तथा POCSO अधिनियम, 2012 की धारा 4, 6, 8 और 10 के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस जांच और एसीपी ए.सी. तरडे के अनुसार, 12 जुलाई 2026 को आरोपी वकील ने किशोरी के पिता को फोन कर कहा कि वह उनकी बेटी को अपने घर घरेलू काम के लिए रखना चाहता है। इस बहाने उसने परिवार का पता हासिल कर लिया।

आरोप है कि उसने परिवार से कहा कि यदि लड़की को उसके यहां नहीं भेजा गया तो अदालत में चल रहे पुराने मामले को वह नुकसान पहुंचा देगा और केस कमजोर कर देगा। इस कथित धमकी के कारण पिता ने बेटी को उसके साथ भेज दिया। आरोपी उसे अपनी कार में बैठाकर डिंडोली स्थित वेदांत विला सोसाइटी में अपने घर ले गया।

आरोप है कि घर पहुंचने के बाद वकील ने 13 वर्ष 6 माह की किशोरी को डराया-धमकाया और उसके साथ मारपीट की। शिकायत के अनुसार, उसने जबरन उसके कपड़े उतरवाए और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ दुष्कर्म किया।

एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से अप्राकृतिक यौन कृत्य भी किया और बाद में उसे ब्लैकमेल करने के उद्देश्य से पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, ताकि पीड़िता किसी को कुछ न बता सके।

घटना के बाद डरी-सहमी किशोरी ने रोते हुए अपने पिता को पूरी आपबीती सुनाई। यह सुनकर परिवार स्तब्ध रह गया। जिस वकील को उन्होंने न्याय दिलाने के लिए नियुक्त किया था, उसी पर ऐसे गंभीर आरोप लगने के बाद पिता 13 जुलाई 2026 को सचिन GIDC पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी ए.सी. तरडे सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर छापेमारी की और कुछ ही घंटों में 43 वर्षीय आरोपी वकील प्रणयराज गोविंदभाई रणवीर को डिंडोली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है तथा उसका मोबाइल फोन भी जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी वकील पर पहले से 6 आपराधिक मामले दर्ज

प्रारंभिक पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी वकील के खिलाफ पहले से विभिन्न पुलिस थानों में 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इनमें शामिल हैं:अहमदाबाद के बावला पुलिस स्टेशन में शराबबंदी कानून और दहेज प्रताड़ना (धारा 498) का मामला।

चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में सरकारी कर्मचारी पर हमला और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला।

सूरत ग्रामीण के ओलपाड पुलिस स्टेशन में निषेधाज्ञा के उल्लंघन का मामला।

डिंडोली और सलाबतपुरा पुलिस स्टेशनों में शराब पीकर वाहन चलाने (MVA-185) तथा मारपीट के मामले।

पुलिस अब आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और मामले के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच कर रही है, ताकि अदालत में उसके खिलाफ मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सकें।

कारखानेदार का 12 वर्षीय बेटा ट्यूशन से भागकर ट्रेन में बैठ गया, CCTV से खुला राज

पढ़ाई के दबाव से घर छोड़ा, 150 CCTV खंगालकर दहानू से सुरक्षित मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आधुनिक दौर में बच्चों पर पढ़ाई, परीक्षा और प्रदर्शन का दबाव किस हद तक बढ़ गया है, इसका एक चिंताजनक मामला सूरत से सामने आया है। वेसू की प्रसिद्ध एस.डी. जैन स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ने वाला और पीपोदरा के एक लूम्स कारखानेदार का 12 वर्षीय बेटा आरव (बदला हुआ नाम) पढ़ाई के तनाव के कारण ट्यूशन से रहस्यमय तरीके से गायब हो गया।

वराछा पुलिस ने महज कुछ घंटों में 150 से अधिक CCTV कैमरों की फुटेज खंगालकर और रेलवे पुलिस की मदद से मासूम को महाराष्ट्र के दहानू रेलवे स्टेशन से सुरक्षित बरामद कर लिया। बेटे को सकुशल देखकर पुलिस स्टेशन में ही माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े और भावुक दृश्य देखने को मिले।

मूल रूप से अमरेली के रहने वाले और वर्तमान में सूरत के वराछा क्षेत्र में रहने वाले एक कारखानेदार 12 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे अपने 12 वर्षीय बेटे आरव और उसकी बहन को साधना सोसाइटी स्थित ट्यूशन क्लास छोड़ने गए थे। ट्यूशन का समय सुबह 11:30 बजे था, लेकिन करीब 11 बजे ट्यूशन शिक्षक का फोन आया कि आरव बाथरूम जाने की बात कहकर क्लास से बाहर गया था और अब तक वापस नहीं लौटा है।

परिवार ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद भारी मन से वराछा पुलिस थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वराछा पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। पुलिस ने साधना सोसाइटी से लेकर आसपास की सड़कों तक लगे CCTV कैमरों की जांच शुरू की। जांच में आरव रेलवे स्टेशन की ओर जाता दिखाई दिया। पुलिस ने एक-एक कर 150 से अधिक CCTV फुटेज जोड़कर पुष्टि की कि बच्चा ट्रेन में सवार हो चुका है। इसके बाद उसकी फोटो और पूरी जानकारी रेलवे पुलिस (GRP/RPF) को भेजकर सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

रेलवे पुलिस ने सूरत पुलिस से मिली सूचना के आधार पर मुंबई जाने वाली ट्रेनों और स्टेशनों पर तलाशी शुरू की। इसी दौरान महाराष्ट्र के दहानू रोड रेलवे स्टेशन पर आरव अकेला बैठा मिला। रेलवे पुलिस ने उसे सुरक्षित अपने संरक्षण में लेकर वराछा पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस आरव को लेकर सूरत पहुंची तो माता-पिता अपने बेटे को सुरक्षित देखकर भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े।

पुलिस पूछताछ में आरव ने बताया कि वह गणित और अंग्रेजी में अच्छा है, लेकिन अन्य विषयों में उसकी रुचि नहीं है। सोमवार और मंगलवार को उन्हीं विषयों की परीक्षाएं थीं, इसलिए उसने करीब 15 दिन पहले ही घर छोड़ने की योजना बना ली थी।

उसने बताया कि स्कूल और ट्यूशन से मिलने वाले अत्यधिक होमवर्क से वह परेशान था। परिवार की अपेक्षाओं और हर बात के दबाव से भी वह मानसिक तनाव महसूस कर रहा था। स्कूल में खेलकूद की गतिविधियों के लिए पर्याप्त अवसर न होने से भी वह निराश था। इसके अलावा, पहले संयुक्त परिवार में रहने वाला आरव हाल ही में माता-पिता के साथ नए घर में रहने लगा था, जिससे दादा-दादी से दूर होने के कारण वह अकेलापन महसूस कर रहा था।

आरव ने पुलिस को बताया कि उसने पहले ही मुंबई जाने वाली ट्रेन की पूरी जानकारी जुटा ली थी। उसका इरादा मुंबई जाकर दो दिन रुकने का था और परीक्षाएं खत्म होने के बाद पिता को फोन करके वापस घर लौटने का था।

लेकिन ट्रेन के जनरल डिब्बे में सफर के दौरान उसने किसी को यह कहते सुना कि ट्रेन वापस सूरत जाएगी। सूरत लौटना नहीं चाहता था, इसलिए वह घबरा गया और बीच रास्ते दहानू स्टेशन पर उतर गया। वहां उसने दो दिन रुकने का फैसला किया था।

भगवान महावीर कॉलेज में स्टूडेंट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। भगवान महावीर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज में सोमवार से पांच दिवसीय स्टूडेंट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर पारस गांधी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सफल करियर निर्माण के गुर बताए। कॉलेज की इंचार्ज डायरेक्टर डॉ. चेता देसाई ने बताया कि 17 जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए कैनवा, डिजिटल मार्केटिंग, एआई टूल्स, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट सहित विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उनके सॉफ्ट स्किल्स का भी विकास करना है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के ट्रस्टी अनिल जैन, संजय जैन, वाइस चांसलर डॉ. राजकुमार अंबातीपूडी, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सूरत में आषाढ़ी बीज पर निकलेंगी 8 रथयात्राएं और शोभायात्राएं

एडिशनल CP की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक, छतों पर पुलिस तैनात रहेगी- बॉडी-वॉर्न कैमरों से हर गतिविधि पर नजर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आगामी आषाढ़ी बीज के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष पूरे शहर में छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 8 रथयात्राओं और शोभायात्राओं का भव्य आयोजन किया जाएगा। त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सूरत पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर ली है। इसी क्रम में आज अश्विनीकुमार पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों और शहर के प्रमुख नागरिकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

अश्विनीकुमार पुलिस स्टेशन में आयोजित शांति समिति की बैठक में एडिशनल पुलिस आयुक्त (CP) डॉ. करणराज वाघेला ने बताया कि रथयात्रा के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन के उद्देश्य से यह विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में DCP जोन-1, जोन-2 और जोन-3 सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा रथयात्रा के आयोजक, फ्रेंड्स ऑफ पुलिस के सदस्य, विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य प्रमुख नागरिकों सहित 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर रथयात्रा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

डॉ. करणराज वाघेला ने बताया कि वराछा क्षेत्र और अश्विनीकुमार पुलिस थाना क्षेत्र से निकलने वाली इस्कॉन मंदिर की रथयात्रा इस वर्ष का मुख्य आकर्षण होगी। इसका मार्ग लगभग 6 किलोमीटर लंबा रहेगा।

इसके अलावा सेक्टर-1 क्षेत्र में महिधरपुरा और उधना सहित कुल 4 अन्य रथयात्राएं भी निकाली जाएंगी। पुलिस ने सभी आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एडिशनल ष्टक ने बताया कि रथयात्रा के सभी मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। पूरे रूट पर मोबाइल पेट्रोलिंग, स्टैटिक पुलिस बंदोबस्त, डीप पॉइंट और संवेदनशील क्षेत्रों में छतों (धाबा पॉइंट) पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

इसके अलावा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को बॉडी-वॉर्न कैमरों से लैस किया जाएगा, ताकि प्रत्येक गतिविधि की रिकॉर्डिंग और निगरानी की जा सके।

विश्वास परियोजना के तहत शहर में लगाए गए CCTV कैमरे भी रथयात्रा की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएंगे। शहर के हाईटेक कमांड एंड कंट्रोल रूम से CCTV कैमरों के माध्यम से पूरी रथयात्रा पर पल-पल नजर रखी जाएगी।

साथ ही सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी फैलने से रोकने के लिए साइबर क्राइम सेल की विशेष टीम लगातार ऑनलाइन निगरानी करेगी, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

सुमुल डेयरी चुनाव भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बना 15 जुलाई को मतदान और 17 जुलाई को नतीजे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत और तापी जिले के पशुपालकों की जीवनरेखा मानी जाने वाली सूरत-तापी जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (सुमुल डेयरी) की प्रबंध समिति के चुनाव अब निर्णायक चरण में पहुंच गए हैं। कुल 16 सीटों में से 7 सीटें पहले ही निर्विरोध घोषित हो चुकी हैं, जबकि शेष 9 सीटों पर 15 जुलाई (बुधवार) को मतदान होगा। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक विभिन्न तालुका मुख्यालयों पर स्थापित मतदान केंद्रों पर होगा। मतदान समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य मतपेटियों में बंद हो जाएगा। 17 जुलाई को सुबह 11 बजे से सुमुल डेयरी के बैंक्वेट हॉल में चुनाव अधिकारी नेहा सवाणी की निगरानी में मतगणना की जाएगी।

मतदान से पहले मंगलवार को प्रचार के अंतिम दिन सभी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। ग्रामीण सहकारी क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए उम्मीदवारों द्वारा हर संभव रणनीति अपनाई जा रही है।

मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए व्यक्तिगत मुलाकातों, संपर्क अभियान और लॉबिंग को तेज कर दिया गया है। यह चुनाव केवल डेयरी प्रबंधन का नहीं, बल्कि सूरत और तापी जिले के ग्रामीण राजनीतिक प्रभाव की परीक्षा भी माना जा रहा है। अंतिम दिन उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क पर विशेष जोर दिया।

एकल श्रीहरि महिला समिति, सूरत ने किया वनयात्रा का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। एकल श्रीहरि महिला समिति, सूरत द्वारा एक दिवसीय वनयात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें समिति की लगभग 50 महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वनयात्रा का शुभारंभ चंदन पार्क, सिटीलाइट से हुआ। सदस्यों ने सबसे पहले हिरावाड़ी स्थित एकल विद्यालय एवं संस्कार शिक्षा केंद्र का भ्रमण कर वहां संचालित शैक्षणिक एवं संस्कार संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया तथा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।

इसके बाद सभी गौमुख वाटरफॉल्स पहुंचे, जहां प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने के साथ सामूहिक भोजन किया गया। वनयात्रा के अंतिम चरण में सोनगढ़ ग्रामोथान केंद्र का भ्रमण कर सिलाई केंद्र, पोषण वाटिका, कंप्यूटर वैन सहित विभिन्न सेवा एवं स्वावलंबन परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंघानिया, संस्थापक सत्प्रेरक मंजू मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी गाड़िया, महिला समिति अध्यक्षा सुषमा दारुका, मंत्री अनीता केड़िया, कोषाध्यक्ष सुमन जालान, वनयात्रा संयोजिका अंजू रूंगटा सहित समिति की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।